Need to provide land to landless people including farmers in Delhi

श्री योगेन्द्र चांदोलिया **(**उत्तर**-**पश्चिम दिल्ली**) :** माननीय सभापति महोदया जी, मैं आज इस सदन में, दिल्ली के भूमिहीन लोगों को मालिकाना अधिकार मिले, यह बात आपके सामने रखना चाहता हूं ।

माननीय सभापति महोदया जी, मैं, दिल्ली के भूमिहीन लोगों और किसानों को प्रभावित करने वाले एक लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को इस सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं । वर्ष 1975-76 में तत्कालीन भारत सरकार के कार्यकाल में, उस समय देश की प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी थीं, उनके कार्यकाल के दौरान दिल्ली राज्य में 20 सूत्रीय कार्यक्रम के तहत भूमिहीन लोगों को कृषि भूमि और 120 गज के भूखंड आवंटित किए गए थे । लेकिन अफसोस यह है कि आज तक उन्हें मालिकाना अधिकार नहीं दिया गया । 49 वर्षों के बाद भी वे लोग मालिकाना अधिकार के लिए दर-दर घूम रहे हैं ।

इस मालिकाना अधिकार से इनकार के परिणामस्वरूप इन किसानों और भूमिहीन लोगों के लिए भारी कठिनाई और अनिश्चितता पैदा हो गई है । दिल्ली के भूमिहीन किसानों को मालिकाना अधिकार के साथ मिलने वाली ऋण सुविधा, बीमा और अन्य केन्द्रीय योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है । इसके अलावा वे लगातार बेदखली के खतरे में रहते हैं । बहुत दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि दिल्ली के किसानों को किसान का दर्जा नहीं मिल पा रहा है । अनुसूचित जाति के भूमिहीन किसानों को वर्ष 1975 में एक एकड़ कृषि भूमि आवंटित की गई थी, परंतु आज तक अनुसूचित जाति के किसानों को पिछले 50 वर्षों में मालिकाना अधिकार नहीं दिया गया है । यह न्याय, समानता और मानव अधिकार का मामला है ।

माननीय सभापति महोदया जी, मैं माननीय मंत्री जी से इन भूमिहीन लोगों और किसानों को मालिकाना हक देने के लिए एक समय-सीमा के भीतर तत्काल कार्यवाही करने का आग्रह करता हूं ।

माननीय सभापति महोदया जी, मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं । मैंने अपना यह प्रश्न 5 दिसंबर को लगाया था । माननीय केंद्रीय मंत्री जी ने मुझे उसका उत्तर दिया था । उस समय की तत्कालीन सरकार, जो अब जा रही है, उन्होंने इस सदन को और माननीय मंत्री महोदय को जो असत्य आंकड़े दिए थे । मैं उन आंकड़ों को आपके सामने रखना चाहता हूं । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, श्री भर्तृहरि महताब जी ।

? (व्यवधान)

श्री योगेन्द्र चांदोलिया : उन्होंने कहा कि लगभग 3,204 एकड़ जमीन पर वे लोग हैं ? (व्यवधान)